P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-5* ISSUE-9* May- 2018
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

सूचना साक्षरता के विकास में डिजिटल पुस्तकालयों का योगदान

नफे सिंह
सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष,
केन्द्रीय पुस्तकालय विभाग,
भगत फूल सिंह महिला
विश्वविद्यालय, खानपुर कला,
सोनीपत, हरियाणा

सारांश

इस लेख में सूचना साक्षरता कौशल, सूचना साक्षरता के स्त्रोत, सूचना साक्षरता कौशल प्रबंधन व मूल्यांकन, सूचना साक्षरता मॉडल, सूचना साक्षरता मानक व मार्गदर्शिका, आदि का संक्षिप्त विवरण दिया गया है। सूचना आवश्यकताओं के अनुरूप ही सूचना साक्षरता का अध्ययन किया गया है। सूचना साक्षरता कौशल की प्रक्रिया व उपागमो का उपयोग किस तरह से किया जाए। सूचना साक्षरता कौशल में उपयोगिता को बढ़ावा मिलेगा और इसके द्वारा पुस्तकालय प्रबंधन को आसानी से किया जा सकता है ।

मुख्य शब्द : सूचना साक्षरता, स्त्रोत, मॉडल, मानक, सॉफ्टवेयर व हार्डवेयर, खोज, आदि।

प्रस्तावना

इक्कीसवीं सदी को सूचना युग की शुरूआत कहा जाता है क्योंकि सूचना का प्रचार व प्रसार इस सदी में बहुत हो रहा है। आज हर व्यक्ति के लिए नितांत आवश्यक हो गया है कि वह अपने आस–पास की सूचनाओं से स्वयं को समयानुसार अवगत कराता रहे यह एक जीवन–पर्यन्त घटना चक्र है। प्रशिक्षित व्यक्ति को सूचना के स्रोतों का उपयोग आना चाहिए। उन्हें सूचना साक्षरता कहते हैं। सूचना साक्षरता में समुचित व्यवहारों को अपनाते हैं जो किसी प्रकार के माध्यम से सूचना प्राप्त करते हैं। एक व्यक्ति जिसे सूचना की खोज करने की तकनीक, विश्लेषण, मूल्यांकन, पुर्नप्राप्ति, संग्रहण एवं संप्रेषण का ज्ञान होना चहिए

साहित्यावलोकन

1. पुस्तकालय संघ समिति ने अमेरिका (2001) में किया था। पुस्तकालय अध्यक्षों को अपने पुस्तकालय के समुचित उपयोग हेतु उनकी साक्षरता या निर्देशन की आवश्यकता होती है। शोध कर्तव्यों को साहित्य चाहिए उसके लिए उन्हें जो सहायता की आवश्यकता होती है उसे अभिसूचना साक्षरता की संज्ञा दी गई है। अभिसूचना साक्षरता की आवश्यकता पुस्तकालय, पुस्तकालयाध्यक्ष, पाठकों, शिक्षकों, छात्रों आदि को होती है जिससे पुस्तकालय के साहित्य का समुचित उपयोग कर सके।
2. बेवडैन (2001) में अभिसूचना साक्षरता की सर्वप्रथम अर्थापन तथा व्याख्या की थी। इसे सूचना सक्षमता तथा अभिसूचना कौशल भी कहते हैं। सेमिनार तथा सम्मेलनों में अन्य शब्दों का उपयोग किया गया है।
3. सूचना का अधिकार (2005) अधिनियम के लागू होने पर प्रत्येक नागरिक को उसकी आवश्यकतानुसार एक निश्चित अवधि के अंदर सूचना प्राप्त हो सकती है। भारत सरकार के उन विभागों को इस अधिनियम से छूट दी गई है जिनके द्वारा सूचना प्रदान करने पर देश की सुरक्षा संप्रभुता एवं अखंडता पर असर पड़ता है।
4. पुस्तकालय संघ समिति ने अमेरिका (2001) सूचना साक्षरता प्रत्यय का विकास किया था। इक्कीसवीं सदी को सूचना युग की शुरूआत कहा जाता है क्योंकि सूचना का प्रचार व प्रसार जिस प्रकार से इस सदी में हो रहा है वैसा पहले कभी नहीं था।
5. अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ लाइब्रेरियंस तथा एसोसिएशन फॉर एजुकेशनल कम्यूनिकेशंस एंड टेक्नोलॉजी (1998) ने मिलकर सूचना साक्षरता मानक एवं सूचक प्रलेख तैयार किया। इस प्रलेख को व्यापक रूप से विश्व के लगभग सभी देशों में सूचना साक्षर के मानक के रूप में अंगीकृत किया गया है।

P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-5* ISSUE-9* May- 2018
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

सूचना के अर्थ, परिभाषा

ऑक्सफोर्ड इंग्लिश डिक्शनरी के अनुसार सूचना पद का अर्थ सूचित करना कहना समाचार ज्ञान बताई गई बात तथ्य आदि से होता हैं। मनुष्य एक चेतन प्राणी हैं। चेतना के कारण उसके मस्तिष्क में समय–समय पर तरह–तरह के विचार अर्जित होते रहते हैं इन्ही उत्पन्न विचारो को सूचना की संज्ञा दी जाती हैं। सूचना पद का उपयोग जानकारी समझ बुद्धि ज्ञान तथ्य आदि कि लिए भी किया जाता हैं।

साक्षरता का अभिप्राय

साक्षरता का अभिप्राय है लिखने तथा पढ़ने की योग्यता हासिल करके उसे दैनिक जीवन में उपयोग करना। साक्षरता को जैसे गणित साक्षरता, पाठन साक्षरता, दृश्य साक्षरता, सांस्कृतिक साक्षरता, प्रिंट साक्षरता आदि ये सभी अवयव सूचना साक्षरता के बिना अर्थ पूर्ण नहीं होते। अतः मानव के सर्वांगीण विकास एवं समाज के उत्थान के लिए सूचना साक्षरता ही प्रथम सोपान है।

सूचना साक्षरता क्या है

सूचना साक्षरता, सूचना की अवस्थिति का निर्धारण, मूल्यांकन एवं उपयोग करके किसी व्यक्ति को जीवन–पर्यन्त बिना किसी अन्य व्यक्ति पर निर्भर हुए, ज्ञान प्राप्त करने के योग्य बनाती है। साधारणतया, साक्षरता द्वारा कोई व्यक्ति एक विशेष क्षेत्र में ज्ञान प्राप्त करता है जबकि, सूचना साक्षरता द्वारा किसी व्यक्ति को उसकी व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक सूचना आवश्यकता के लिए कौशल हासिल करने के योग्य करती है।

परिभाषित

''*अमेरिकी लाइब्रेरी एसोसिएशन*''सूचना साक्षरता, को परिभाषित करता है, जिसके लिए व्यक्तियों को'' जब सूचना की आवश्यकता होती है, उन्हें पहचानने और आवश्यक सूचना को प्रभावी ढंग से पता लगाने, मूल्यांकन करने और उपयोग करने की क्षमता होती है।

सूचना साक्षरता की विशेषताएँ

1. सूचना के सम्बन्ध में बौद्धिक निर्णय लेना और शुद्धता जानना।
2. सूचना स्रोतों की वैधता जानना और उपलब्ध ज्ञान से समन्वय करना।
3. सूचना प्राप्त करने के सफल प्रयास को विकसित करना।
4. सूचना के लिए कम्प्यूटर का उपयोग करना।
5. सूचना का मूल्यांकन और व्यवहारिक उपयोग करना।
6. सूचना में समस्या–समाधान तथा आलोचनात्मक चिन्तन का उपयोग करना।
7. सूचना साक्षरता का उपयोग, शिक्षण अनुदेशन, प्रशिक्षण तथा शोध कार्यों में किया जाता है।

सूचना साक्षरता महत्वपूर्ण क्यों है?

सूचना साक्षरता बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि हम सूचना के समुद्र से घिरे हैं और सभी सूचना समान नहीं हैः कुछ विश्वसनीय हैं,लेकिन कुछ भ्रामक, गलत। उपलब्ध सूचना की मात्रा बढ़ती जा रही है। सूचना का उपयोग हेर–फेर करने और बनाने के लिए उपयोग की जाने वाली तकनीक पर निर्भर करता है।

मीडिया साक्षरता

मीडिया साक्षरता से अर्थ लोगों की उस क्षमता से है जो उन्हें विविध प्रकार के मिडिया के लिए सन्देशों का विश्लेषण, मूल्यांकन तथा सृजन करने के योग्य बनाती है। बुद्धिजीवियो का एक बड़ा वर्ग यह मानता है कि आज के दौर में सभी नॉलेज सोसायटी का हिस्सा है। जिसमे ज्ञान के एक बड़े हिस्सों को समाज के सभी वर्गी तक पहुँचानें की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मीडिया पर हैं।

THINK

It is True
It is Helpful
It is Inspining
It is Necessary
It is Kind

मीडिया के प्रकार

1. मीडिया संचार
2. विज्ञापन मीडिया
3. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया
4. डिजिटल मीडिया
5. व्यापार मीडिया
6. हाइपरमीडिया
7. मल्टीमीडिया
8. प्रिंट मीडिया
9. प्रकाशित मीडिया
10. मास मीडिया
11. प्रसारण मीडिया
12. समाचार मीडिया
13. नया मीडिया
14. रिकॉर्डिग मीडिया
15. सामाजिक मीडिया
16. मीडिया प्लस

सूचना साक्षरता का अवयव

सूचना साक्षरता के प्रमुख अवयवों को पदानुक्रमानुसार नीचे वर्णित किया गया है–

1. युक्तिपूर्ण नियोजन
2. अवस्थिति निर्धारण
3. विश्लेषण एवं चुनाव
4. व्यवस्थापन एवं संयोजन
5. सृजन एवं प्रस्तुतीकरण
6. मूल्यांकन

सूचना साक्षरता में पुस्तकालयों की भूमिका

सूचना साक्षरता कार्यक्रम में पुस्तकालयों की अहम भूमिका होती है। पुस्तकालयों का एक महत्त्वपूर्ण उद्देश्य यह भी होता है कि देश की साक्षरता में वृद्धि के लिए क्रियाशील योगदान करें। सूचना साक्षरता के ज्ञान से व्यवसाय में सफलता मिलती है। सूचना साक्षरता कार्यक्रमों के अंतर्गत पुस्तकालयों ने अन्य उद्देश्यों के अतिरिक्त निम्न गतिविधियों को भी शामिल किया है–

1. सूचना के प्रसार के लिए पत्र–पत्रिकाओं का समुचित प्रसारण करना।
2. उपभोक्ता की आवश्यकता के रूप उपयोगी सूचना की प्राप्ति के लिए समुचित सूचना पुनर्प्राप्ति साधन का चयन करना।

3. विश्वासपूर्वक एवं संतोष के साथ सूचना की खोज करना।
4. प्रयोक्ता को विश्वास से ज्ञान तथा सूचना का संचार कराना।

सूचना का अधिकार अधिनियम और सूचना साक्षरता

एक सूचना साक्षर व्यक्ति ही सूचना के अधिकार अधिनियम का ठीक प्रकार से उपयोग कर सकता है। जानकारी के अभाव में लोग वांछनीय सूचना को ठीक प्रकार से प्राप्त नहीं कर पाते। इस प्रकार अपने अधिकारों का समुचित प्रयोग केवल वही लोग कर पाते हैं जो सूचना साक्षर होते हैं। सूचना का अधिकार सम्बन्धी कानून सर्वप्रथम तमिलनाडु सरकार ने सन् 1997 में पारित किया।

केंद्रीय सरकार ने सूचना का अधिकार बिल का मसौदा तैयार करके 22 दिसम्बर 2004 को संसद में प्रस्तुत किया। 15 जून 2005 को जब इस कानून को संसद में पास किया तब तक इस मसौदे में अधिक संशोधन किए जा चुके थे। यह अधिनियम (जम्मू और कश्मीर को छोड़कर) देश की सभी सांवैधानिक संस्थानों, जिन्हें संसद या प्रांत की विधान परिषद के अधिनियम द्वारा स्थापित किया गया है पर लागू होता है। इस अधिनियम के अनुसार देश के किसी भी नागरिक को निम्न अधिकार प्राप्त हैं–

1. वह सूचना की मांग कर सकता है।
2. किसी संलेख, प्रलेख या सामग्री का निरीक्षर कर सकता है।
3. टिप्पणी, सारांश की प्रतिलिपि प्राप्त कर सकता है।
4. सामग्री का प्रमाणित नमूना प्राप्त कर सकता है।
5. सूचना को प्रकाशित, डिस्क, टेप, वीडियो या किसी भी इलेक्ट्रॉनिक रूप में प्राप्त कर सकता है।

सूचना प्राप्ति के आवेदन का शुल्क 10 रू. प्रति आवेदन के साथ आग्रहकर्ता को 2रू. प्रति पृष्ठ की दर से या 3 रू. प्रति घंटे की दर से शुल्क अदा करना पड़ता है। प्रांतों की अपनी निर्धारित शुल्क दरें अलग हैं।

सूचना साक्षरता के मानक एवं सूचक

मूलतः ये मानक एवं सूचक सूचना साक्षर छात्रों एवं सीखने वालों के लिए बनाये गये हैं फिर भी इन्हें सामान्य व्यक्तियों पर भी लागू करके उनकी सूचना साक्षरता की परख की जा सकती है। सभी मानकों एवं सूचकों को मुख्यतः 3 श्रेणियों 9 मानकों एवं 29 सूचकों में विभाजित किया गया है।

सूचना साक्षरता का उद्देश्य

1 सूचना पुनर्प्राप्ति एवं संचार के लिए सूचना प्रौद्योगिकी का प्रयोग करना हैं ।
2 विभिन्न स्रोतो में निहित सूचना को प्राप्त करना हैं ।
3 सूचना की पुनः प्राप्ति एवं उपयोग के लिए प्रक्रिया को निष्पादित करना हैं ।
4 सूचना की सुगमता पूर्वक पुनर्प्राप्ति के लिए उसे नियत्रित करके सग्रहित करना हैं ।
5 ज्ञान एवं व्यक्तिगत परिप्रेक्ष्य करण के लिए कार्य करना।
6 सूचना को बुद्धिमत्तापूर्वक प्रयोग करके दूसरों के हितार्थ कार्य करना।
7 नये क्षेत्र में व्यक्तिगत ज्ञान आधार का पद निर्माण करना ।

सूचना साक्षारता के माडॅलस

यहॉ सूचना साक्षारता के अनेक माडॅल्स भिन्न 2 विद्वानो ने भिन्न–भिन्न सूचना साक्षारता के माडॅल्स दिये है लेकिन Empowering Eight Models की विशेषताएं इस प्रकार है। जैसे Asia व Pacific region के द्वारा विकसित निम्नलिखित आठ स्टेज है जैसेः

1 The Big 6 model
2 Plus model
3 Seven faces of information literacy
4 Seven pillar cycle
5 I-skills cycle
6 Alberta model
7 Action learning model
8 Infozence model etc.

सूचना साक्षरता मॉडल

1. पहचान (Identify)
2. क्षमता (Locating)
3. चयन (Selecting)
4. संगठन (Organizing / synthesizing)
5. बनाना (Creating)
6. मूल्यांकन (Evaluating)

सूचना के स्रोतों को मुख्यतयाः दो श्रेणियों में विभक्त किया जा सकता है, यथा–

1. प्रलेख
2. प्रलेखेतर

डॉ. एस. आर. रंगनाथन ने प्रलेखों को मुख्यतया चार भागों में विभाजित किया है–

परंपरागत प्रलेख
(Conventional Documents)

इस प्रलेख के तीन उपविभाग भी हैं–

क. पुस्तकें
ख. पत्रिकाएं
ग. मानचित्र

नव–परंपरागत प्रलेख
(Neo-Conventional Documents)

इनके चार उपविभाग हैं–

क. मानक
ख. विशिष्टयां
ग. एकत्व
घ. आधार सामग्री

अपरंपरागत प्रलेख (Non-Conventional Documents)

इन प्रलेखों के भी चार उपविभाग हैं, यथा–

क. सूक्ष्म प्रति
ख. श्रव्य
ग. दृश्य
घ. श्रव्य–दृश्य

अनु प्रलेख (Meta Documents)

अब, इन चारों के विभागों उपविभागों के विषय में जानकारी लेगें। साथ ही इनकी श्रेणियों का भी अध्ययन करेगें।

सूचना स्रोतों का मूल्याकन
(Evaluation of information sources)

1 लेखक (Author)
2 अधिकार (Authority)
3 निष्पक्षतावाद (Objectivity)
4 गुणवत्ता (Quality)
5 कवरेज (Coverage)
6 मुद्रा (Currency)
7 प्रासंगिकता (Relevance)

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. *http://www.ala.org/Template.cfm?Section=Home&template=/ContentManagement/ContentDisplay.cfm&ContentID=33553#ildef*
2. *http://www.ala.org/acrl/sites/ala.org.acrl/files/content/standards/standards.pdf*
3. *https://en.wikipedia.org/wiki/Information_literacy*
4. *https://en.wikipedia.org/wiki/American_Library_Association*
5. *http://www.sersanoconsulting.com/2016/12/think-true-helpful-inspiring-necessary-kind/*
6. *http://www.occupationaltherapy.com/ask-the-experts/what-steps-information-literacy-2550*
7. *https://coops.northseattle.edu/abates/ILworksheet012709AB.pdf*
8. *https://quizlet.com/21031056/the-five-steps-to-information-literacy-flash-cards/*
9. *http://www.tandfonline.com/doi/abs/10.1080/03075070309295*
10. *https://www.sconul.ac.uk/sites/default/files/documents/coremodel.pdf*
11. *https://www.sconul.ac.uk/tags/7-pillars*
12. *http://neilsrandomletters.blogspot.in/2011/05/7-new-pillars-of-information-literacy.html*
13. *http://wiki.ulster.ac.uk/download/attachments/29557521/InformationSkills.pdf?api=v2*
14. *http://www.hcpss.org/f/academics/media/factsheet_big6.pdf*
15. *https://www.researchgate.net/publication/234713449_Information_Problem-Solving_The_Big_Six_Skills_Approach*
16. *http://www.ala.org/aasl/sites/ala.org.aasl/files/content/aaslpubsandjournals/slr/vol6/SLMR_BigSixInfoSkills_V6.pdf*
17. *http://mavdisk.mnsu.edu/martij2/acrl.pdf*
18. *http://www.ala.org/acrl/publications/whitepapers/presidential*
19. *https://www.uscupstate.edu/globalassets/about-the-university/sacsco/compliance-report/3.8.2-instruction-of-library-use/acrl-_-information-literacy-competency-standards-for-higher-education.pdf*
20. *https://eric.ed.gov/?id=ED315074*
21. *http://skil.stanford.edu/intro/research.html*
22. *awww.googla.com*
23. *www.wikipedia.com*
24. *www.digitelization.com*